P-289

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-607

कथा साहित्य (भाग दो)

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. 'चंद्रधर शर्मा गुलेरी' का साहित्यिक परिचय देते हुए 'उसने कहा था' कहानी की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।

2. प्रेमचंद के कृतित्व एवं व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए उनके साहित्यिक अवदानों को स्पष्ट कीजिए।

3. प्रेमचंद की कहानी शैली की विशेषता पर निबंध लिखिए।

4. शैलेश मटियानी की कहानी सुहागिनी का सार बताते हुए मटियानी के रचनात्मक अवदानों की चर्चा कीजिए।

5. 'त्यागपत्र' के औपन्यासिक शिल्प की विवेचना कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. 'उसने कहा था' कहानी का परिचय दीजिए।

2. लहना सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. प्रेमचंद की कहानी 'बड़े भाई साहब' के कथा को संक्षिप्त में बताइए।

4. "बोज्यू, तुम क्यों नहीं कहोगी ऐसा! तुम तो अब विधवा हो, विधवा! तुम क्या समझोगी कि सुहागिनी के मन की ममता-व्यथा क्या होती है!" इस उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

5. 'त्यागपत्र' मनोवैज्ञानिक पक्ष का संक्षिप्त चित्रण कीजिए।

6. आलोचक नंद दुलारे वाजपेयी के अनुसार, "जैनेन्द्र का दर्शन दर्शन-हीन है।" आप उनके इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?

7. 'सुहागिनी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को सिद्ध कीजिए।

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?